KU Newsletter

February 2026/ Edition 11, Vol. 1 भाद्रपद, विक्रम संवत १० ८२

www.kuk.ac.in

खिलाड़ियों को मिल रहा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर : नायब सिंह सैनी

पदक जीतने का रोडमैप तैयार

कुवि परिसर। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि ओलम्पिक में पदक जीतने के लिए खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर हरियाणा सरकार की तरफ से उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस प्रदेश में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए सरकार की तरफ से खेल नर्सरी के साथ–साथ अन्य खेल केन्द्र भी बनाए गए हैं। इस सरकार ने खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई हैं जिसके चलते खिलाड़ी देश के लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतकर ला रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत् करीब 5 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सिंथेटिक हॉकी मैदान का उद्घाटन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने

खेलो इंडिया योजना के तहत् 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आल वेदर स्विमिंग पूल के प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया। इस उद्घाटन के बाद एक उत्साहजनक दृश्य तब देखने को मिला जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और खेल मंत्री गौरव गौतम ने स्वयं हॉकी स्टिक थामी और नए सिंथेटिक ट्रैक पर जोरदार स्ट्रोक लगाकर मैदान का परीक्षण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिंथेटिक हॉकी खेल मैदान से अब हॉकी खेल के उभरते हुए हॉकी खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विश्वविद्यालय अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत सरकार की खेलों इंडिया योजना से राज्य के खिलाड़ी ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और भी अधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। यह आयोजन न केवल बुनियादी ढांचे के विकास का प्रतीक रहा, बल्कि हरियाणा को देश का खेल हब बनाए रखने के संकल्प को भी दोहरा गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत बनाए गए सिंथेटिक हाकी एस्ट्रोटर्फ की जानकारी देते हुए कहा कि भारत सरकार के खेल मंत्रालय की तरफ से 10 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध करवाया गया था। इस बजट से 5.50 करोड़ रुपये हॉकी खेल मैदान पर खर्च किए गए हैं और 4.50 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपर्पज इंडोर खेल हॉल का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतिश अग्रवाल, कुवि कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल, खेल निदेशक प्रो. डीएस राणा सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

जनभागीदारी से ही बनेगा आमजन के लिए हरियाणा का बजट: नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र में विभिन्न संगठनों के साथ बजट–पूर्व परामर्श बैठक आयोजित

कुवि परिसर। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनभागीदारी से ही प्रदेश के आम नागरिक के लिए हरियाणा का बजट बनाया जाएगा। इस बजट में आमजन की राय को शामिल करने के लिए ही समाज के हर समूह से सुझाव लिए जा रहे है। इन सभी सुझावों को बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। इन सुझावों पर सभी अधिकारी व विषय विशेषज्ञ गंभीरता के साथ मंथन करेंगे और आमजन के हित को जहन में रखकर बजट को तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सीनेट हाल में कुरुक्षेत्र में विभिन्न संगठनों के साथ आयोजित बजट–पूर्व परामर्श बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट को लेकर भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विद्या भारती, अधिवक्ता परिषद, विश्व हिंदू परिषद, क्रीड़ा भारती सहित अन्य प्रमुख

संगठनों के पदाधिकारियों से सुझाव लिए। इस वर्ष हरियाणा के लिए तैयार किए जा रहे बजट को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हर संगठन के पदाधिकारियों से बातचीत भी की है। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव की ओएसडी हिना बिंदलिश ने बजट–पूर्व परामर्श से संबंधित एक्शन–टेकन रिपोर्ट की जानकारी दी। उन्होंने बताया की बजट से संबंधित कुल 11 परामर्श बैठकें आयोजित की गई थीं, जिनमें विभिन्न हितधारकों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। इस मौके पर हरियाणा के उद्यमिता एवं खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेंद्र कुमार, नागरिक एवं युवा सशक्तिकरण तथा उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, खेल विभाग के प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, उपप्रधान सचिव यशपाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू, कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतिश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया कोआर्डिनेटर तुषार सैनी, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उपनिदेशिका डॉ. जिम्मी शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, जिप उपाध्यक्ष डीपी चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अटल संचार भवन का शिक्षा मंत्री द्वारा उद्घाटन

मीडिया शिक्षा को मिला नया आयाम

कुवि परिसर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत पत्रकार तैयार होंगे। कुवि द्वारा देश के महापुरुषों के नाम पर अपने भवनों का नामकरण करना एक सराहनीय कदम है। इससे युवाओं में संस्कारों के साथ–साथ महापुरुषों के जीवन से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। यह विचार प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखे गए जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के भवन अटल संचार

भवन का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेष रूप से कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश मौजूद थे। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि यह भवन आधुनिक पत्रकारिता और तकनीक के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नई दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर मीडिया संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया के कुशल मार्गदर्शन में संस्थान के शिक्षकों व छात्रों द्वारा तैयार किए न्यूज लैटर का प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने विमोचन किया। छात्रों ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा व स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश के बनाए गए चित्रों को उन्हें भेंट किया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर.चौधरी, डॉ. मधुदीप सिंह, डॉ. आबिद अली, डॉ. प्रदीप राय, डॉ. अभिनव कटारिया सहित अन्य शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

विश्व के कल्याण की बात करती है हमारी संस्कृतिः महीपाल ढांडा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ आयोजित

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (कुवि) के स्थापना दिवस पर एवं स्वामी विवेकानंद जयंती–राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम (क्रश हॉल) में हवन यज्ञ के आयोजन के साथ स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश, कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व उनकी धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा और कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल सहित सभी शिक्षकों ने हवन यज्ञ में आहुति डालकर विश्वविद्यालय परिवार की सुख–समृद्धि और संस्थान की शैक्षणिक ऊंचाइयों के लिए मंगल कामना की। इसके साथ–साथ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भवनों का नामकरण देश के महापुरुषों के नाम पर करने वाली कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भवन स्मारिका का विमोचन भी किया गया। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि संस्कारों से बड़ी कोई वसीयत नहीं होती और यह संस्कार शिक्षा व ज्ञान पर ही निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के छात्र की भूमिका क्या है, इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है और युवाओं को अपने देश की विचारधारा को समझना होगा। स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रसंगों को बताते हुए युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय से आरंभ हुआ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय आज शिक्षा के क्षेत्र में पूरे देश में सभी विश्वविद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत है क्योंकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध, संस्कृति, खेल के क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालयों में शामिल है। कुवि कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल सिंह ने सभी अतिथियों, शिक्षकों व छात्रों का आभार व्यक्त किया कि सभी ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच का संचालन प्रो. विवेक चावला ने किया। इस अवसर पर डॉ. ममता सचदेवा, कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल सिंह, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. डी.एस.राणा, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. कृष्णा, प्रो. सुनीता सिरोहा, प्राक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, प्रो. संजीव शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, प्रो. परमेश कुमार, डॉ. महेन्द्र सिंह, डॉ. गुरचरण सिंह, डॉ. सलोनी दिवान, लोक सम्पर्क विभाग की उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. सुशील टाया सहित शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्वदेशी संकल्प दौड़ को शिक्षा मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

कुवि परिसर। स्वदेशी संकल्प दौड़ से स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा जिससे छात्र स्वदेशी उत्पादों को प्रयोग करेंगे और स्वावलंबी भारत के सपने को साकार करेंगे। यह विचार हरियाणा प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर आयोजित स्वदेशी संकल्प दौड को हरी झंडी दिखाकर व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश, कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर.चौधरी, प्रो. डी.एस. राणा भी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय गेस्ट हाउस में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा का पहुँचने पर कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस से ही स्वदेशी संकल्प दौड़ को शिक्षा मंत्री ने हरी झंडी दिखाई। इस दौड़ में विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों और विभागों के लगभग 2,000 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया जिसमें यू.आई.ई.टी., आई.आई.एच.एस., विधि संकाय, यूनिवर्सिटी स्कूल, मीडिया संस्थान, सहित एन.एस.एस., एन.सी.सी. और वाई.आर.सी. जैसी इकाइयों के स्वयंसेवक शामिल रहे।

धरातल पर पवित्र सरस्वती नदी लाने वाले भगीरथ है दर्शन लाल जैन : नायब सिंह सैनी

"द सरस्वती नदी गाथा" पुस्तक का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दर्शन लाल जैन सेंटर ऑफ एक्सिलेंस फॉर रिसर्च ऑन सरस्वती रिवर केन्द्र की पुस्तक द सरस्वती नदी गाथा पुस्तक का विमोचन करते हुए हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा की पदमश्री स्वर्गीय दर्शन लाल जैन धरातल पर पवित्र सरस्वती नदी लाने वाले भगीरथ है जिनके अथक प्रयासों से 1990 के दशक की शुरुआत में गैर–सरकारी संगठन सरस्वती नदी शोध संस्थान, जगाधरी के बैनर तले सरस्वती नदी के उत्थान के लिए कार्य शुरू हुए थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिहोवा में सरस्वती महोत्सव के बसंत पंचमी के दिन सरस्वती नदी पर बीते 20 सालों में हुए वैज्ञानिक शोध कार्य पर लिखी इस पुस्तक का लोकार्पण करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

गौरतलब है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष हैं, जिनके मार्गदर्शन में केयू स्थित दर्शन लाल जैन सेंटर ऑफ एक्सिलेंस फॉर रिसर्च ऑन सरस्वती रिवर केन्द्र निरंतर सरस्वती नदी के उद्गम स्थलों पर शोध कार्य कर रहा है। मुख्यंत्री ने कहा कि यह पुस्तक सरस्वती नदी पर एक विस्तृत ग्रंथ है और यह विद्वानों, नीति–निर्माताओं, पर्यावरणविदों तथा उन सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी जो भारत की प्राचीन सभ्यता, ज्ञान और भविष्य की स्थिरता को समझना चाहते हैं।

इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक एवं भूविज्ञान के अध्यक्ष प्रो. एआर चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती सरस्वती नदी शोध संस्थान के संस्थापक सदस्य रहे हैं और उन्होंने हरियाणा में सरस्वती नदी के राजस्व अभिलेखों को एकत्रित करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे हरियाणा सरकार के इस नदी के पुनर्जीवन के प्रयासों को मजबूत आधार मिला है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति और परंपराएं उस प्राचीन सभ्यता में निहित हैं जो सरस्वती नदी के तटों पर फली–फूली थी। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक 'द सरस्वती रिवर गाथा' इसी धरोहर पर आधारित है। प्रो. ए. आर. चौधरी ने बताया कि यह पुस्तक बहु–विषयक अनुसंधान पर आधारित है और इसमें इंडोलॉजी, भूविज्ञान, रिमोट सेंसिंग, पुरातत्व, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, भूजल, जलविज्ञान, कृत्रिम भूजल पुनर्भरण, बाढ़ प्रबंधन, सभ्यता, संस्कृति और धरोहर संबंधी भूवैज्ञानिक अनुसंधान शामिल हैं। मुख्यमंत्री हरियाणा के ओएसडी भारत भूषण भारती, प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ पवित्र सरस्वती नदी के पुनर्जीवन कार्य से निकटता से जुड़े हुए हैं।

भारत भूषण भारती सरस्वती नदी के एक प्रबल समर्थक हैं और उन्होंने केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के साथ सरस्वती नदी के प्रवाह मार्ग पर पदयात्रा की थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमिच, सीईओ कुमार सुप्रवीन सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने किया केयू के वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन

संस्कृति, शिक्षा, शोध के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है केयूः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

कुवि परिसर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सिंह सैनी ने गुरुग्राम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वार्षिक कैलेंडर एवं धरोहर हरियाणा संग्रहालय के टेबल कैलेंडर का विमोचन करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध, संस्कृति सहित खेल के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले अनेक वर्षों से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अपने कैलेंडर के माध्यम से शिक्षा एवं संस्कृति का प्रचार–प्रसार कर रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सिंह सैनी ने कहा ये दोनों ही कैलेंडर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की साल भर की गतिविधियों का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणवी संस्कृति एवं लोक कला के संरक्षण में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में केयू धरोहर कैलेंडर में हरियाणवी संस्कृति एवं लोक कला के 12 चित्र भी जारी किए गए हैं। इस अवसर

पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य राव नरबीर सिंह के साथ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा मौजूद रहे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्रशासन निरंतर नवाचार और संस्कृति संरक्षण के कार्यों को बढ़ावा दे रहा है, जिसका प्रतिबिंब इन कैलेंडरों में देखने को मिलता है। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विमोचन अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षा और शोध के साथ–साथ प्रदेश की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने का कार्य जारी रखेगा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की गौरवमयी गाथा और युवा स्टार्टअप्स की प्रदर्शनी का शिक्षा मंत्री ने किया अवलोकन

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर ऑडिटोरियम के क्रश हॉल में विश्वविद्यालय की गौरवमयी गाथा को प्रदर्शित करने वाली एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का अवलोकन प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने किया। प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक यात्रा के साथ–साथ कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन सेंटर (कुटिक) द्वारा समर्थित युवा उद्यमियों के नवाचारों को प्रमुखता से दिखाया गया। शिक्षा मंत्री ने युवा स्टार्टअप्स से विस्तार से बात की, जिनमें मुख्य रूप से जोइता बायोसीड एआई ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से निर्मित यह एआई टूल बिना इंटरनेट के पौधों की बीमारियों की पहचान और विशेषज्ञ कृषि सलाह देता है। सुक्ष्मा मेडटेक हेल्थटेक कंपनी पारंपरिक इंजेक्शन के विकल्प के रूप में

माइक्रो–नीडल पैच और जलाशय आधारित ड्रग–डिलीवरी सिस्टम पर काम कर रही है। वनरक्ष एआई सॉल्यूशंस वनों की रक्षा के लिए विकसित यह स्मार्ट डिवाइस अवैध कटाई और जंगलों के दोहन को रोकने के लिए सेंसर के माध्यम से अधिकारियों को तुरंत सूचना भेजता है। लिवस्मार्ट ऑटोमेशन पूर्णतः सुरक्षित होम ऑटोमेशन सिस्टम है, जो ऊर्जा की बचत के साथ–साथ हाथों के स्पर्श के बिना घर के उपकरणों को नियंत्रित करने की सुविधा देता है। ईआरएलबी प्राइवेट लिमिटेड खाद्य प्रसंस्करण कंपनी मिलेट्स (बाजरा) और मखाना जैसे प्राकृतिक तत्वों से फल–आधारित उत्पाद तैयार करती है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश, कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

मीडिया चौपाल में बेहतरीन कार्य करने वाले जनसंचार के विद्यार्थी सम्मानित, निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बांटे प्रशस्ति पत्र

कुवि परिसर। जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा स्थापित मीडिया चौपाल के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आज उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मीडिया संस्थान के निदेशक एवं विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए, जिन्होंने पिछले कुछ समय में आयोजित हुए मीडिया चौपाल कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस अवसर पर प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि मीडिया चौपाल एक ऐसा मंच है, जिसने विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से बाहर निकालकर वास्तविक मीडिया कार्यप्रणाली से रूबरू कराया है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक उत्सव रत्नावली, अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव, स्वदेशी महोत्सव और हरियाणा पवेलियन के दौरान न

केवल मीडिया प्रबंधन को संभाला, बल्कि हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को डिजिटल और पारंपरिक मीडिया के माध्यम से दुनिया भर में पहुँचाया। प्रो. पूनिया ने विशेष रूप से पंचकूला में हाल ही में संपन्न हुए स्वदेशी महोत्सव का जिक्र करते हुए कहा कि वहां मीडिया चौपाल की टीम ने स्वदेशी उत्पादों और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जनता तक पहुँचाने में जो भूमिका निभाई, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की सोच है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी स्किल्ड हो और इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के भीतर नेतृत्व क्षमता और पेशेवर कौशल विकसित करते हैं। उल्लेखनीय है कि मीडिया चौपाल के माध्यम से विद्यार्थियों ने न्यूज रिपोर्टिंग, सोशल मीडिया कवरेज, वीडियो एडिटिंग और जनसंपर्क के क्षेत्र में सक्रिय कार्य किया है, जिसकी सराहना मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी विभिन्न मंचों पर की जा चुकी है। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारत की शक्ति उसकी विविधता और साझा सांस्कृतिक विरासत में निहित: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुवि में जुटी कश्मीर की युवा शक्ति, राष्ट्रीय एकता व सांस्कृतिक सद्भाव का बना संगम

कुवि परिसर। हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के तहत जम्मू–कश्मीर के 30 प्रतिभाशाली छात्रों का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय आगमन पर सर्वप्रथम कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद किया और राष्ट्रीय एकता व सांस्कृतिक समरसता के मूल्यों को रेखांकित किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और साझा सांस्कृतिक विरासत में निहित है। कश्मीर और हरियाणा के युवा देश की एकता, विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि के दूत हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से आए युवा जब परस्पर संवाद के माध्यम से एक–दूसरे को समझते हैं, तो राष्ट्रीय एकजुटता और भी सुदृढ़ होती है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सदैव ऐसे प्रयासों का स्वागत करता है जो युवाओं में राष्ट्र निर्माण के प्रति सकारात्मक ऊर्जा और स्वाभिमान का भाव जागृत करें। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं के बीच आपसी समझ, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, राष्ट्रभावना एवं राष्ट्रीय चेतना को और प्रबल करना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में हरियाणा–दर्शन के तहत सांस्कृतिक एकता, भाईचारे और राष्ट्रीय समरसता का संदेश दिया गया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल को हरियाणा की संस्कृति, परंपराओं तथा ऐतिहासिक धरोहर से परिचित कराया गया। यूथ वेलफेयर कोऑर्डिनेटर, सीएम हाउस(सीएम ग्रीवेंस सेल) नरेन्द्र सिंह ने बताया कि जम्मू–कश्मीर के ये विद्यार्थी अपने प्रवास के दौरान हरियाणा के प्रमुख ऐतिहासिक, प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण भी कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इनके आगमन का उद्देश्य यहाँ के शैक्षणिक वातावरण, प्रशासनिक व्यवस्था और सांस्कृतिक ताने–बाने का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अंत:क्रियात्मक यात्राएं युवाओं के मन में देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और एक साझा भारतीय पहचान के भाव को प्रखर बनाती हैं। है। प्रतिनिधिमंडल में कुल 30 छात्र शामिल रहे जिनमें 15 छात्राएं और 10 छात्र तथा उनके साथ 5 सदस्यीय प्रबंधन टीम शामिल थी। प्रतिनिधिमंडल ने कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का उनके साथ संवाद करने के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर.चौधरी, डॉ. मधुदीप सिंह, डॉ. आबिद अली व रोमा मौजूद रहे।

मास कम्युनिकेशन विभाग में विशेष संवाद

अपनी यात्रा के दौरान जम्मू–कश्मीर के इन छात्रों ने कुवि के मास कम्युनिकेशन विभाग का दौरा किया और वहाँ के विद्यार्थियों के साथ विस्तार से संवाद किया। इस चर्चा में दोनों क्षेत्रों के युवाओं ने एक–दूसरे की संस्कृति, मीडिया की भूमिका और शैक्षणिक अनुभवों को साझा किया। यह संवाद युवाओं के बीच वैचारिक आदान–प्रदान और आपसी समझ को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। डॉ. डॉ. आबिद अली, मधुदीप सिंह, रोमा, डॉ. अभिनव, डॉ. रोशन मस्ताना, डॉ. प्रदीप राय, मोनिका दुआ, अर्पणा, राकेश कुमार, अमित जांगडा, सचिन वर्मा, रितु, डॉ. सतीश राणा, जितेन्द्र रोहिला आदि मौजूद रहे।

रोजगार और कार्य अनुभव बढ़ाने के लिए औद्योगिक संस्थानों से जुड़ रहा है केयू: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुवि और टाइम्स ऑफ इंडिया के बीच समझौता

कुवि परिसर। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा टाइम्स ऑफ इंडिया के बीच बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल और टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से एसोसिएट जनरल मैनेजर विशाल शर्मा एवं राकेश द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू का उद्देश्य कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्रों को इंटर्नशिप मुहैया करवाना है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार अपने विद्यार्थियों के हित में औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थानों के साथ समझौते कर रहा है जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य अनुभवों से अवगत करवाकर उनके सर्वांगीण विकास एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि पैदा हो। इस एमओयू में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और रोजगार केन्द्र विश्वविद्यालय की तरफ से कोर्डिनेशन का काम करेगा। इसकी जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. महेन्द्र सिंह ने बताया कि इस एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद मैनेजमेंट, कॉमर्स और अन्य विभागों के स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप करने में सुविधा होगी जिससे उनके लिए रोजगार के अवसर बढेंगे। इसके साथ–साथ टाइम्स ऑफ इंडिया कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अपने समूह के विभिन्न समाचार पत्र कम दामों में उपलब्ध करवाएगा तथा विद्यार्थियों को अन्य सुविधाएं भी देगा। इस अवसर पर कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी, प्रो. मंजूला चौधरी, प्रो. महाबीर नरवाल, प्रो. अनिल मित्तल, प्रो. प्रदीप कुमार, आईआईएचएस की प्राचार्या प्रो. रीटा दलाल, प्रो. अनिता दुआ, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. जसविन्द्र सिंह, उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भवन स्मारिका का शिक्षा मंत्री ने किया विमोचन

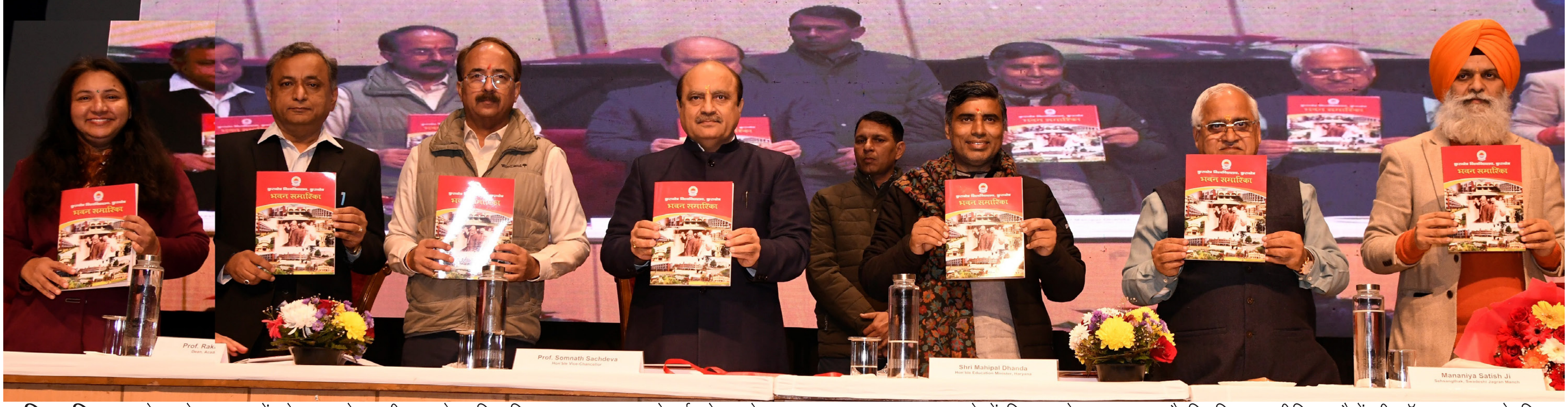

कुवि परिसर। देश के महापुरुषों से प्रेरणा लेने के लिए कुवि ने अपने भवनों का नामकरण देश के महापुरुषों पर किया है। महापुरुषों के जीवन व उनकी उपलब्धियों तथा भवनों के नामकरण को प्रदर्शित करने वाली कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भवन स्मारिका का विमोचन प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह–संगठक सतीश, कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर.चौधरी, लोक सम्पर्क विभाग की उप–निदेशक प्रो. जिम्मी शर्मा ने किया। इस स्मारिका में 34 भवनों के नए नामों तथा उन महापुरुषों के जीवन के बारे में विस्तार से बताया गया है कि किस प्रकार इन भवनों का नाम रखा गया है। इस स्मारिका के निर्माण में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, यूनिवर्सिटी सीनियर सैकेंडरी मॉडल स्कूल के शिक्षक डॉ. सुशील टाया, डॉ. हरविन्दर राणा, लोक सम्पर्क विभाग के सहायक विजय कुमार, सहायक अमित भटनागर ने विशेष योगदान दिया है।

77वें गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने ली परेड की सलामी

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल एक समारोह मात्र नहीं है, बल्कि यह उन अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिनके संघर्ष और बलिदान के कारण आज हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र की हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें याद दिलाता है कि 26 जनवरी 1930 को रावी नदी के तट पर हमारे पूर्वजों ने पूर्ण स्वराज का जो स्वप्न देखा था, वह 26 जनवरी 1950 को हमारे महान संविधान के लागू होने के साथ पूर्ण हुआ। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रांगण में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि राष्ट्र ध्वज तिरंगा फहराने व एनसीसी कैडेट्स की भव्य परेड की सलामी लेने के उपरांत व्यक्त किए। केयू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को इसके समस्त प्रावधानों के साथ देश में सबसे पहले लागू करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी दूरदर्शिता और शैक्षणिक सुधारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के लिए केयू को प्लैटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया है, जो हमारी गुणवत्ता पर राष्ट्रीय स्तर की सबसे बड़ी मुहर है। नैक द्वारा 3.56 सीजीपीए के साथ ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त करना और एनआईआरएफ 2025 की रैंकिंग में स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी श्रेणी में 35वां स्थान प्राप्त करना हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने इस वर्ष नए आयाम स्थापित किए हैं। आज केयू के पास पहले से अधिक पेटेंट उपलब्ध हैं, जो लैब से निकलकर समाज की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। भूभौतिकी विभाग को भारत–इटली संयुक्त विज्ञान योजना के तहत अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजना का मिलना और मटेरियल साइंस के लिए ड्रीम्स प्रोजेक्ट के तहत 10.50 करोड़ की ग्रांट मिलना यह सिद्ध करता है कि हमारा अनुसंधान वैश्विक स्तर का है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक उत्कृष्टता केयू की पहचान रही है। सांस्कृतिक गतिविधियों में केयू पूरे भारतवर्ष में तीसरे स्थान पर और सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर है। रत्नावली महोत्सव के माध्यम से केयू ने न केवल हरियाणा की लोक विधाओं को सहेजा है, बल्कि युवाओं में अपनी जड़ों के प्रति गौरव भी पैदा किया है।

10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का सफल आयोजन यह दर्शाता है कि हम आधुनिकता के साथ–साथ अपनी आध्यात्मिक और दार्शनिक विरासत को भी साथ लेकर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में देशभर की सैकड़ों यूनिवर्सिटीज के बीच 13वाँ स्थान प्राप्त करना और कुल 17 पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा और प्रोत्साहन देने के लिए सदैव तत्पर है। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने युवा कौशल, उद्यमिता एवं नवाचार सृजन द्वारा नौकरी देने वाले बने। इसके साथ ही शोध को व्यवहारिक व समाज उपयोगी बनाने के लिए भी कार्य करें। उन्होंने कहा कि 150वीं वर्षगांठ में वंदे मातरम भारत की आत्मा की पुकार है जिसने सभी भारतीयों को एकसूत्रता में बांधा है।

वंदे मातरम में केवल राष्ट्र भक्ति की भावना नहीं बल्कि कर्त्तव्यों, एकता, राष्ट्र निर्माण की भावना भी झलकती है। इसके साथ ही उन्होंने एनसीसी कैडेट को भी बधाई दी। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. हरविन्द्र राणा ने किया। इस अवसर पर डॉ. ममता सचदेवा, कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. ए.आर. चौधरी, प्रो. अमित लुंदरी, प्रो. कृष्णा देवी, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. जितेन्द्र शर्मा, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. डीएस राणा, प्रॉक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. कुसुमलता, प्रो. सुनीता दलाल, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. सुनीता सिरोहा, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उपनिदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, डॉ. रीटा, प्रो. दीपक राय बब्बर, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, डॉ. सलोनी दिवान, डॉ. सुखविंदर, प्रो. सुनीता सिरोहा, प्रो. निरूपमा भट्टी, प्राचार्य डॉ. सुखविन्द्र सिंह, डॉ. रामचंद्र, उपकुलसचिव डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा, रविंद्र तोमर सहित शिक्षक, गैर–शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

पुस्तकें व्यक्तित्व के साथ चरित्र निर्माण का भी सशक्त माध्यम: प्रो. वीरेन्द्र पाल

केयू में पुस्तक प्रदर्शनी के दूसरे दिन उमड़ा विद्यार्थियों का उत्साह, 50 से अधिक प्रकाशकों की भागीदारी

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सामुदायिक केंद्र में कुलगुरु प्रो सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आयोजित तीन दिवसीय भव्य पुस्तक प्रदर्शनी के दूसरे दिन विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखने को मिली। प्रदर्शनी के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल ने पुस्तक प्रदर्शनी में पहुंचकर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा प्रकाशकों और विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें केवल जानकारी का स्रोत नहीं, बल्कि व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ने से मस्तिष्क की न केवल कल्पनाशक्ति सक्रिय होती है, बल्कि निर्णय

लेने की क्षमता के साथ सकारात्मक सोच का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में पठन–पाठन की संस्कृति को मजबूत करते हैं और उन्हें गंभीर अध्ययन एवं शोध के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ–साथ साहित्य, दर्शन, विज्ञान और समसामयिक विषयों से संबंधित पुस्तकों का भी अध्ययन करें, ताकि उनका दृष्टिकोण व्यापक और संतुलित बन सके। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि पुस्तक प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अकादमिक साहित्य उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद विश्वविद्यालय में बडे स्तर पर पहली बार इस तरह की पुस्तक प्रदर्शनी में देश–विदेश के लगभग 56 प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने भागीदारी सुनिश्चित की है, जिसमें साहित्य, शोध, विज्ञान, भाषा सहित सभी विषयों की नवीनतम एवं शोधपरक पुस्तकों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से चयनित पुस्तकों से विश्वविद्यालय पुस्तकालय के संसाधनों को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

भारत रत्न श्रीगुलजारी लाल नंदा भारतीय ज्ञान परम्परा के महान संत : स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

कुवि परिसर। पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि भारत रत्न श्रीगुलजारी लाल नंदा भारतीय ज्ञान परम्परा के महान संत रहे हैं जिन्होंने भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक चिंतन को नई दिशा दी। यह विचार उन्होंने केयू एवं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के ब्रह्मसरोवर स्थित श्रीगुलजारी लाल नंदा जी के सदाचार स्थल पर उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित कर व्यक्त किए। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा, जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, केडीबी के मानद

सचिव उपेन्द्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार विजय सभ्रवाल, कृष्ण धमीजा, अशोक रोशा, संदीप छाबड़ा, खैराती लाल, विनोद गर्ग, जय नारायण शर्मा सहित केन्द्र की निदेशिका प्रो. शुचिस्मिता, प्रो. विवेक चावला व डॉ. कुलदीप आर्य ने सदाचार स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य वक्ता अरूण पराशर ने नंदा जी के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही। वहीं कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि श्रीगुलजारी लाल नंदा जी दिव्य आत्मा के रूप में ऐसे भारतीय नेता रहे जिनसे हमें सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नंदा जी अपने जीवन में भारतीय संतों एवं गुरुओं को विशेष सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि नंदा जी राजनीतिक क्षेत्र में अद्वितीय ईमानदार एवं व्यवहार कुशल थे। इसके साथ ही उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन मूल्यों को भी याद किया। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नंदा जी के सरल स्वभाव, व्यक्तित्व एवं उनके महत्वपूर्ण योगदान, जीवन मूल्यों के बारे में वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल ने सभी अतिथियों को स्वागत किया तथा केन्द्र की निदेशिका प्रो. शुचिस्मिता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन केयू आईआईएचएस के डॉ. रामचंद्र ने किया।

नवाचार एवं उद्यमिता विकसित भारत का आधार : डॉ. अंकेश्वर प्रकाश

10वें राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर केयू कुटिक व सीआईसी द्वारा इंटर्नशिप के लिए कॉल का हुआ शुभारम्भ

कुवि परिसर। 10वें राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर केयू कुटिक व सीआईसी द्वारा 'इंटर्नशिप के लिए कॉल' का हुआ आयोजन । जिसके तहत विद्यार्थियों को उद्योग–आधारित व्यावहारिक अनुभव, अनुभवात्मक शिक्षण तथा स्टार्टअप्स के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इस पहल से विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने कहा कि नवाचार एवं उद्यमिता विकसित भारत 2047 का मुख्य आधार है। उन्होंने 'इंटर्नशिप के लिए कॉल' के शुरू होने पर कुटिक एवं सामुदायिक इंक्यूबेशन सेंटर को बधाई देते हुए कहा कि नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना वर्तमान समय की मांग है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल व्यावहारिक कौशल एवं रोजगार क्षमता को बढ़ाती हैं, बल्कि छात्रों में आलोचनात्मक सोच, समस्या–समाधान क्षमता तथा उद्यमशील मानसिकता भी विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि

विश्वविद्यालय संकाय आधारित स्टार्टअप भी हुआ शुरू

कुटिक समन्वयक डॉ. अजय जांगड़ा ने बताया कि पहली बार विश्वविद्यालय संकाय आधारित पहले स्टार्टअप की भी शुरूआत हुई है। यह विश्वविद्यालय में संकाय उद्यमिता एवं शोध आधारित नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने में एक बहुत बड़ा कदम है। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने क्षेत्र में एक सशक्त स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण तथा नवाचार – आधारित विकास को समर्थन देने के लिए कुटिक की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

स्टार्टअप संस्कृति से प्रारंभिक स्तर पर परिचय छात्रों को उद्योग की अपेक्षाओं को समझने में मदद करता है, जिससे वे अधिक आत्मविश्वासी एवं भविष्य के लिए तैयार बनते हैं। लेफ्टिनेंट (डॉ.) अजय जांगड़ा, समन्वयक, कुटिक ने इनक्यूबेशन केंद्र की गतिविधियों की जानकारी देते हुए केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं तथा फिनटेक, एग्रीटेक, मेडटेक, ग्रीन एनर्जी, पर्यावरण आदि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्टार्टअप्स के बारे में बताया। अब तक कुटिक द्वारा 30 स्टार्टअप्स (इनक्यूबेशन एवं प्री–इनक्यूबेशन) को सहयोग प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि 'एनईपी 2020' के समर्थन में स्टार्टअप्स के माध्यम से इंटर्नशिप कॉल प्रतिभाशाली मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है, जिससे छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त होगा। डॉ. विशाल अहलावत, उप–समन्वयक, कुटिक ने कहा कि स्टार्टअप–आधारित इंटर्नशिप्स छात्रों को बहुविषयक चुनौतियों से रूबरू कराकर उनमें उद्यमशील सोच का विकास करती हैं। डॉ. प्रियंका जांगड़ा, समन्वयक, सीआईसी ने कहा कि छात्रों एवं संकाय सदस्यों को स्टार्टअप एवं नवाचार गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने से विश्वविद्यालय में नवाचार, अनुसंधान एवं व्यावसायीकरण की संस्कृति को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर प्रो. अश्विनी मित्तल, डॉ. रीता देवी, डॉ. जसविंदर संधू, डॉ. भंवर सिंह, डॉ. विवेक, डॉ. रविंदर चौधरी, डॉ. विकास,रूपेश एवं मनोज शर्मा (इनक्यूबेशन कंसल्टेंट, कुटिक) उपस्थित रहे।

यूआईईटी के 17 विद्यार्थियों का दिग्गज कंपनी जेबीएम में चयन

कुवि परिसर। कुवि के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (यूआईईटी) ने प्लेसमेंट के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। संस्थान के 17 विद्यार्थियों का चयन ऑटो कंपोनेंट बनाने वाली नामी कंपनी जय भारत मारुति लिमिटेड में हुआ है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुनील ढींगरा ने जानकारी दी कि मैकेनिकल विभाग के लिए आयोजित इस कैंपस प्लेसमेंट शिविर में 32 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। कंपनी की ओर से ग्रुप कॉर्पोरेट मानव संसाधन प्रमुख प्रदीप उपाध्याय और उनकी टीम ने चयन प्रक्रिया का संचालन किया। लिखित परीक्षा में 24 विद्यार्थी सफल हुए, जिसके बाद तकनीकी साक्षात्कार के आधार पर कुल 17 विद्यार्थियों को अंतिम रूप से चुना गया। चयनित छात्रों में सुमित, अजय, रजनीश, दीपेंद्र,

अंकित, पारुल, ब्रिजेश, रोहित, सुशांत, पीनी डोलामा, पीयूष, मिक्षांश, रत्नेश, संदीप, निशांत, विवेक और सुमित शामिल हैं। प्रोफेसर सुनील ढींगरा ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को दी जाने वाली औद्योगिक इंटर्नशिप उन्हें कंपनी के तकनीकी वातावरण के अनुकूल तैयार करने में मदद कर रही है, जिससे उनके कौशल में निरंतर सुधार हो रहा है। इस अवसर पर सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ ही संस्थान के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. सुनील ढींगरा, डॉक्टर संजीव आहूजा, डॉक्टर रूचि गुप्ता, डॉक्टर निखिल कुमार मारीवाला का धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ. रामअवतार, डॉ. विजय गर्ग, विशाल, जसमेर, हरिकेश पपोसा उपस्थित रहे।

दो दिवसीय साइंस सम्मेलन में नवाचार को मिली उड़ान

स्कूली छात्र ने बनाया स्मार्ट एलपीजी लीक और अग्नि सुरक्षा सिस्टम

कुवि परिसर। केयू एवं हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद, हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन में नवाचार को नई उड़ान मिली। केयू ऑडिटोरियम के क्रश हॉल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विजय नड्डा, संगठन मंत्री (उत्तर क्षेत्र), विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा, डीन साइंसिज प्रो. विनोद कुमार सहित अन्य शिक्षकों ने प्रतिभागी छात्रों द्वारा निर्मित विज्ञान आधारित मॉडल एवं पोस्टर की सराहना की। कुवि कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यह विज्ञान प्रदर्शनी युवा वैज्ञानिकों के लिए वरदान साबित हुई। जहां विद्यार्थियों ने अपनी संकल्पना को प्रतिबिम्ब रूप में प्रदर्शित किया है। ये सभी युवा विद्यार्थी ही विकसित भारत का भविष्य है। प्रदर्शनी में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, त्योड़ा, कुरुक्षेत्र के कक्षा 11 के छात्र रविंदर ने एलपीजी गैस रिसाव और आग से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक स्मार्ट एलपीजी लीक और अग्नि सुरक्षा प्रणाली विकसित की है जोकि घरेलू और छोटे औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। एलपीजी गैस का व्यापक रूप से घरों और उद्योगों में उपयोग किया जाता है, लेकिन गैस रिसाव और आग की घटनाएँ जान–माल के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए छात्र रविंदर ने एक कम लागत वाली, एआई आधारित और स्वचालित सुरक्षा प्रणाली तैयार की है। जिससे उपयोगकर्ता को एसएमएस अलर्ट और आपातकालीन कॉल भी मिलती है, जिससे समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इसमें एसएमएस आधारित रिमोट ओवरराइड सुविधा भी मौजूद है, जिससे उपयोगकर्ता आपात स्थिति में दूर से ही सिस्टम को नियंत्रित कर सकता है। इसके साथ ही प्रदर्शनी में आधुनिक कृषि, यातायात के लिए सुरक्षित सड़क निर्माण व आटोमेटिक लाइट सिस्टम, नेत्रहीनों के लिए स्टीक, सोलर सिस्टम सहित सुरक्षित भवनों के लिए उपयोगी उपकरणों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर विज्ञान प्रतियोगिताओं के क्विज कॉम्पिटिशन में कुल 25 टीमों ने हिस्सा लिया, पोस्टर कॉम्पिटिशन के लिए 170 एंट्रीज मिलीं, विजुअल स्पार्क्स के तहत 41 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। वहीं 24 टीमों ने मॉडल प्रदर्शनी में नवाचार आधारित आइडिया को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर केयू डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. जसबीर सिंह, प्रो. एसपी सिंह, प्रो. एनके माटा, प्रो. आरके मोदगिल, प्रो. सुनीता दलाल, प्रो. सुमन ढांडा, प्रो. संजीव अरोड़ा, प्रो. अनुरेखा, प्रो. नीरा राघव, प्रो. अनीता यादव, प्रो. अनीता भटनागर, प्रो. फकीर चंद, प्राचार्य प्रो. रीटा दलाल, प्रो. परमेश कुमार, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उपनिदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. राजेश खरब डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, डॉ. जितेन्द्र खटकड़, डॉ. विनीता भांकर, डॉ. सुमन सहित कुरुक्षेत्र के स्कूलों से आए विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

Soft Drinks May Be Hard on Your Body

KU researchers unpack the hidden truth behind packaged foods

Dr. Pardeep Rai
Assistant Professor, KUK

That chilled bottle of soft drink or packaged fruit juice may look harmless, but new research suggests it could be affecting your body in ways most people never imagine. A recent study from Kurukshetra University has found that a very common food preservative may weaken muscles and disturb blood sugar balance when consumed in high amounts over time. The preservative is sodium benzoate. It is widely used in soft drinks, flavored beverages, jams, pickles, sauces, and many ready to eat and packaged foods to keep them fresh for longer. While it helps prevent spoilage, researchers say frequent exposure may come with hidden health concerns. The study, published in the international journal Biochimie, was conducted at the Skeletal Muscle Research Laboratory of Kurukshetra University under the guidance of Prof. Ashwani Mittal. Researchers examined how sodium benzoate affects muscle cells in a controlled laboratory setting. What they found was concerning. After just one day of exposure, muscle cells absorbed less sugar and did not respond properly to insulin. Insulin is the hormone that helps sugar enter cells to produce energy. When the body stops responding well to insulin, it leads to a condition called insulin resistance, which is a major cause of type 2 diabetes. Researchers also observed that the preservative interfered with the normal action of insulin. Because of this, muscles were not able to use sugar efficiently. Over time, this can leave more sugar in the bloodstream, increasing the risk of diabetes and other health problems. Another important finding was that sodium benzoate increased harmful stress inside muscle cells. At the same time, the natural protective systems of the cells became weaker. This led to visible damage. Muscle cells became thinner and showed signs of muscle loss. The activity of substances that break down muscle proteins also increased, confirming that muscle tissue was being weakened. Although food safety authorities such as the United States Food and Drug Administration consider sodium benzoate safe within set limits, researchers caution that people today consume many packaged foods in a single day. This may lead to higher overall intake than expected, especially over long periods. With growing dependence on processed foods, particularly among children and young adults, the study highlights the need for awareness. Choosing more fresh and minimally processed foods and reducing frequent consumption of preservative rich products may help protect both muscle health and blood sugar control. The message from the research is simple. What keeps food fresh on the shelf may not always be friendly to the body when consumed too often.

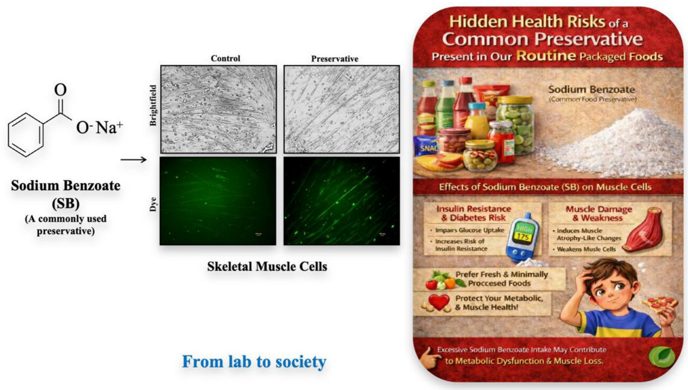

केयू में 21 दिवसीय ऑनलाइन योग चौलेंज कार्यक्रम का सफल समापन

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूटीडी की एनएसएस इकाई द्वारा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित 21 दिवसीय योग चौलेंज कार्यक्रम का उद्देश्य एनएसएस स्वयंसेवकों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। समापन कार्यक्रम में केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि कि योग आत्म–अनुशासन और आत्म–विकास का सशक्त माध्यम है तथा इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवक पायल सहित सभी स्वयंसेवकों ने योग सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

केयू रसायन विज्ञान विभाग के तीन विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित पीसीसीपीएल कम्पनी में हुआ चयन

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र द्वारा रसायन विज्ञान विभाग में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के तहत तीन छात्राओं का चयन प्रतिष्ठित कंपनी पंजाब केमिकल एंड क्रॉप्स प्रोटेक्शन लिमिटेड में हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने चयनित छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

केयू परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि किए अर्पित

कुवि परिसर। शहीदी दिवस के रूप में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के अवसर पर केयू परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा व कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि भेंट की तथा दो मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और नैतिकता के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं और युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

केयू परिसर स्थित डाकघर में ललित कला विभाग के छात्रों ने विशेष वॉल पेंटिंग तैयार की

कुवि परिसर। केयू ललित कला विभाग की ओर से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्थित डाकघर परिसर को आकर्षक और आधुनिक रूप देने के उद्देश्य से एक विशेष वॉल पेंटिंग तैयार की गई है। यह वॉल पेंटिंग जेन–जी थीम पर आधारित है, जिसमें डिजिटल युग, संचार और आधुनिक सेवाओं को कलात्मक अंदाज में दर्शाया गया है। केयू ललित कला विभाग के अध्यक्ष डॉ गुरचरण सिंह के निर्देशन में इस वॉल पेंटिंग को फाइन आर्ट्स विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थियों द्वारा तैयार किया गया है।

केयू ललित कला विभाग में तीन दिवसीय पेंटिंग कला प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

कुवि परिसर। केयू ललित कला विभाग में तीन दिवसीय पेंटिंग कला प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि प्रदर्शनियों की रचनात्मकता को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा युवा कलाकारों को व्यापक मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने ललित कला विभाग को विश्वविद्यालय में निरंतर कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए बधाई भी दी। उन्होंने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और कलात्मक उत्कृष्टता की सराहना की।

हिन्दी विभाग में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की राष्ट्रीय चेतना पर विशिष्ट व्याख्यानन

कुवि परिसर। हिन्दी विभाग द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की राष्ट्रीय चेतना विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता हिन्दू कॉलेज, अलीगढ़ के प्राचार्य डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि रामधारी सिंह दिनकर ने भारतीय जनमानस में सामाजिक समरसता, राष्ट्रीयता एवं संघर्ष की चेतना को अभिव्यक्त किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कुवि परिसर। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की एनएसएस यूनिट–3 द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, मताधिकार के महत्व तथा जिम्मेदार नागरिकता की भावना को सुदृढ़ करना रहा। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि माथुर ने सभी एनएसएस स्वयंसेवकों को मतदाता शपथ दिलवाई तथा लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता के महत्व पर प्रेरणादायक संबोधन दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट डॉ. अजय जांगड़ा ने सभी एनएसएस स्वयंसेवकों को स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलवाई तथा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया।

एआईएच विभाग द्वारा पत्थर के औजार, मिट्टी के बर्तन और पुरावशेष पर कार्यशाला सम्पन्न

कुवि परिसर। प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग में पत्थर के औजार, मिट्टी के बर्तन और पुरावशेष विषय पर 6 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ! कार्यशाला के समापन अवसर पर शैक्षणिक सत्र में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अधीक्षक मनोज कुमार सक्सेना ने फील्ड–बेस्ड अहम जानकारी शेयर की, जिसमें राखीगढ़ी में खुदाई का उनका अनुभव भी शामिल था। वहीं पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सहायक प्रो. डॉ. विकास राणा ने एक पुरातत्व में पुरावशेषों पर चर्चा करते हुए वैज्ञानिक डॉक्यूमेंटेशन, व्याख्या और पुरातत्व के एक व्यवस्थित विषय में बदलने पर जोर दिया।

केयू वनस्पति विभाग के 26 विद्यार्थी कॉलेज कैडर में बने शिक्षक

कुवि परिसर। वनस्पति विभाग के 26 पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थी हरियाणा के कॉलेज कैडर में सहायक प्राध्यापक पर चयनित हुए हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इतने बड़ी संख्या में एक साथ विद्यार्थियों का सहायक प्राध्यापक पद पर चयन केयू एवं विभाग के लिए बडे गर्व एवं हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि इससे विश्वविद्यालय के साथ–साथ वनस्पति विभाग की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

आंतरिक शिकायत समिति द्वारा यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कुवि परिसर। केयू आंतरिक शिकायत समिति द्वारा शोधार्थियों के लिए आयोजित यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता प्रो. मंजूला चौधरी ने कहा कि कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित वातावरण बनाना सभी की नैतिक एवं सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न की स्थिति में चुप रहने के बजाय आवाज उठाना बहुत जरूरी है। केयू आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष प्रो. सुनीता सिरोहा ने कहा कि विश्वविद्यालय में समावेशी तथा उत्पीड़न–मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने की केयू एवं आंतरिक शिकायत समिति की प्रतिबद्धता है।

डॉ. जितेन्द्र कुमार बने सांख्यिकी एवं संक्रिय शोध विभाग के अध्यक्ष

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार सांख्यिकी एवं संक्रिय शोध विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र कुमार को 24 जनवरी 2026 से आगामी तीन वर्षों के लिए सांख्यिकी एवं सक्रिय शोध का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

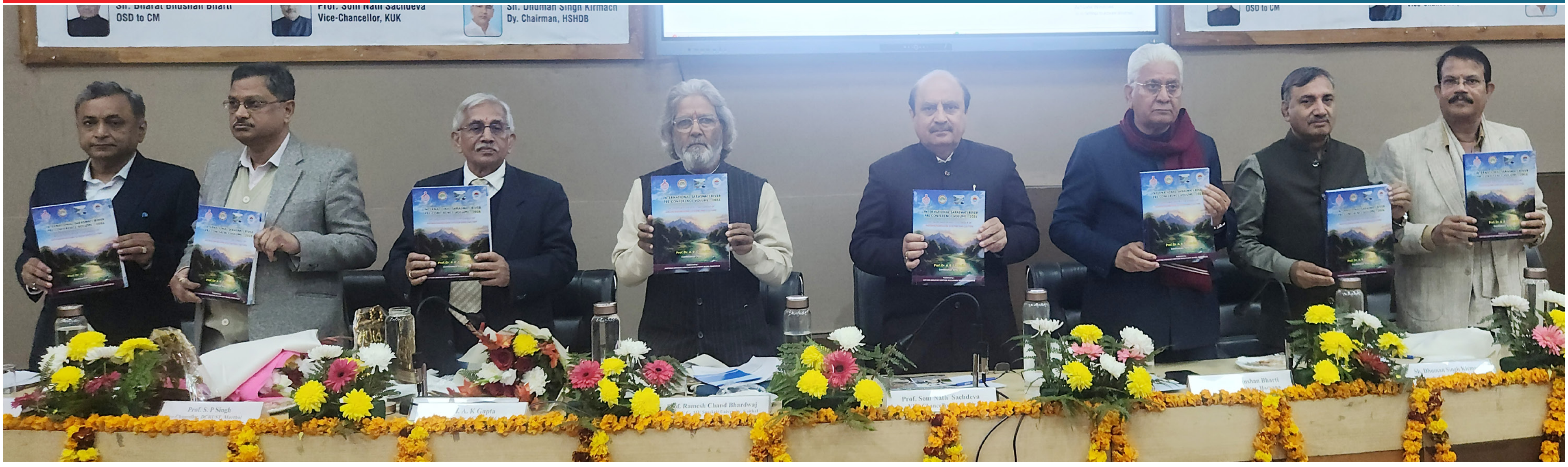

Editor. Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA, Editorial Committee: Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Dr. Pardeep Rai, Asst. Prof., Mr. Rahul Arora, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., IMC&MT, Printed by : KUK Press Published By The Registrar, Kurukshetra University, Kurkshetra. E-mail id- newsletter@kuk.ac.in